Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding changes in the present Education Policy.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): महोदया, आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद । प्राय: हम लोग अपने क्षेत्र की बात यहां पर रखते हैं । मैं आज शिक्षा के क्षेत्र का विषय उठा रहा हूं । मैं भारत की सरकार का, आदरणीय प्रधान मंत्री मोदी जी का और हमारे शिक्षा मंत्री आदरणीय निशंक जी का आभार प्रकट करता हूं कि शिक्षा नीति में बदलाव के पूरे देशवासियों के जो सुझाव थे, उनको लेकर उसमें परिवर्तन करने का प्रयास किया है । पूरे देश को इस बात का पता है कि बीच में हमारे यहां एजुकेशन सिस्टम को ऐसा कोलैप्स किया गया कि लोग याचक बनकर नौकरी ढूंढने का काम करते थे । कोई दाता बनकर या रोजगार देने को लेकर कोई शिक्षा नहीं थी । यहां तक कि अपने पूर्वजों पर गौरव करना भी हम लोग भूल गए थे । हमारे सिलैबस से वह हटा दिया गया था । जैसे अभी प्रधान मंत्री जी ने आंदोलनजीवी लोग नाम लिया, मैं सरकार को इस सदन के माध्यम से आगाह करना चाहता हूं कि जैसे किसानों को लेकर एक हंगामा खड़ा करने की कोशिश की जा रही है, ऐसे ही आने वाले समय में हमारी शिक्षा नीति पर, जो कि सही है, उचित है और देश के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने वाली शिक्षा नीति है, उसको ले कर कोई एक कुचक्र चलाया जा रहा है । इस पर सरकार विशेष रूप से ध्यान दें और उसका प्रबंध करे । बहुत-बहुत धन्यवाद ।